इंदौर-पुणे बस में महिला नेशनल शूटर से कंडक्टर ने की छेड़छाड़

- ड्राइवर ने बदतमीजी की तो खिलाड़ी ने दोनों को पीटा
- यात्री बोले ड्राइवर और कंडक्टर दोनों नशे में थे

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर से पुणे जा रही निजी ट्रैवल्स की बस में कंडक्टर द्वारा महिला नेशनल शूटर के साथ छेड़खानी का शर्मनाक मामला सामने आया है. आरोप है कि बस में चढ़ते समय कंडक्टर ने शूटर के साथ बेड टच किया. आपत्ति जताने पर ड्राइवर और कंडक्टर ने बदसलूकी की. इसके बाद भड़की शूटर ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी. हंगामा होने और मामला बढ़ता देख दोनों आरोपी बस सड़क पर ही छोड़कर भाग निकले. दोनों आरोपी नशे में धुत थे. 30 वर्षीय पीड़िता पुणे की नेशनल शूटर हैं.

घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, यहां पर रविवार देर रात यह विवाद उस समय हुआ, जब पुणे निवासी 30 वर्षीय महिला शूटर इंदौर से पुणे जाने के लिए वर्मा ट्रैवल्स बस में चढ़ रही थी. पीड़िता ने शिकायत में बताया कि बस के कंडक्टर ने चढ़ते समय उसे गलत तरीके से छूने की कोशिश की. महिला खिलाड़ी ने तुरंत इसका विरोध किया और कंडक्टर की पिटाई शुरू कर दी. ड्राइवर बीच-बचाव करने आया और दोनों दुर्व्यवहार करने लगे तो शूटर ने ड्राइवर की भी धुनाई कर दी. आसपास मौजूद यात्रियों का कहना है कि दोनों नशे में थे. हंगामा बढ़ने पर सभी यात्री बस से उतर आए और ट्रैवल्स ऑफिस को फोन कर स्थिति की जानकारी दी. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. रात में ड्राइवर की नई व्यवस्था नहीं हो सकी, जिसके चलते बस सड़क पर ही खड़ी रही. ट्रैवल्स संचालकों से बातचीत के बाद सोमवार सुबह करीब 4 बजे नया ड्राइवर भेजा गया, तब जाकर बस पुणे के लिए रवाना हो पाई. पीड़िता ने इस संबंध में थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है.

जांच अधिकारी बोलीं- घटना की पुष्टि हो चुकी, दर्ज होगी एफआईआर

इस मामले की जांच कर रहीं एसआई शिल्पा पाटीदार ने बताया कि घटना की पुष्टि हुई है. पीड़िता के पुणे निवासी होने के कारण आगे की प्रक्रिया के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जा रही है और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी. इधर, एक अन्य ट्रैवल्स संचालक ने बताया कि रात करीब 2 बजे थाना प्रभारी की ओर से दूसरे ड्राइवर की व्यवस्था के लिए उन्हें भी कॉल किया गया था, लेकिन ड्राइवर उपलब्ध न होने के कारण वे सहायता नहीं कर पाए.

नेशनल गेम्स में हिस्सा लेने पुणे से भोपाल आई थी शूटर

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि शूटर नेशनल गेम्स में हिस्सा लेने इंदौर आई थी और बस पकड़कर पुणे लौट रही थी. बस जब राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पहुंची, तो युवती ने थाने को देखकर शिकायत करने की बात कही. इसी दौरान ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर मौके से फरार हो गए. पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले को लगातार फॉलो कर रही है.

निजी बसों में छेड़छाड़ की यह दूसरी घटना

यह हाल ही में निजी बसों में छेड़छाड़ की दूसरी बड़ी घटना है. इससे पहले 6 नवंबर को हंस ट्रैवल्स की बस में भी एक युवती से छेड़छाड़ हुई थी. इस घटना के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने बस संचालकों को बुलाकर बैठक में महिला सुरक्षा और स्टॉफ की नियमित जांच को लेकर सख्त निर्देश दिए थे, साथ ही बसों में पेनिक बटन लगाने के भी निर्देश दिए थे, जो बेअसर साबित हो रहे हैं।

ढाई माह की मासूम को एक्सपायर्ड वैक्सीन का दे दिया डोज

- विरोध करने पर अस्पताल स्टॉफ ने दंपति से की मारपीट
- रात में थाने पहुंचकर दर्ज कराई
- रिपोर्ट, जांच में जुटी पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के एक निजी अस्पताल में एक दंपति अपनी ढाई महीने की बच्ची का वैक्सीनेशन कराने पहुंचे, जहां कथित तौर पर बच्ची को वैक्सीन का एक्सपायर्ड डोज लगा दिया गया. विरोध करने पर दंपति के साथ अस्पताल स्टॉफ ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी और अस्पताल से बाहर निकाल दिया.

दंपति ने देर रात थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है. मूसाखेड़ी क्षेत्र के निवासी दंपति अपनी बच्ची का टीकाकरण कराने सोमवार रात सपना-संगीता रोड स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे थे. पीडियाट्रिक विभाग में परामर्श के बाद बच्ची को एचईएक्सए-2 वैक्सीन दी गई. इसी दौरान पिता की नजर फाइल पर लगे वैक्सीन के रैपर पर पड़ी, जिस पर एक्सपायरी डेट मई 2025 दर्ज थी. इस पर आपत्ति जताने पर अस्पताल में विवाद शुरू हो गया. परिजनों ने पुलिस को बताया कि अस्पताल स्टॉफ ने वैक्सीन का रैपर बदल दिया. जब उन्होंने वास्तविक रैपर देने की मांग की तो उनसे बदसलूकी की गई. आरोप है कि टेबल से रैपर उठाने की कोशिश पर डॉक्टर और स्टाफ ने उन्हें धक्का दिया, मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए बाहर निकाल दिया.

दंपति का कहना है कि बच्ची आठ साल बाद हुई है, इसलिए उसकी सेहत को लेकर वे बेहद चिंतित हैं. टीकाकरण के बाद बच्ची लगातार रो रही है और सुस्त दिखाई दे रही है, वे दूसरे डॉक्टर से जांच कराने की तैयारी में हैं.

दंपति को फीस वापस कर मामला शांत कराने की कोशिश भी की

दंपति ने पुलिस को यह भी बताया कि विवाद के दौरान उन्हें वैक्सीन की फीस वापस लेने का प्रस्ताव भी दिया, लेकिन वे किसी तरह खुद और बच्ची को सुरक्षित निकालकर रात करीब 12 बजे जूनी इंदौर थाने पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत दी. पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ मारपीट, धमकी और अन्य आरोपों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की. इस बीच, अस्पताल पक्ष ने कहा है कि जांच चल रही है और वे अधिकारियों को पूरा विवरण दे रहे हैं. थाना प्रभारी का कहना है कि शिकायत के सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है, जांच उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

इंदौर. सुपर कॉरिडोर रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही से लोडिंग वाहन चालक ने बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए. पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. मामले की जांच कर रही है.

एरोड्रम थाना क्षेत्र में सुपर कॉरिडोर-छोटा बागड़दा रोड पर तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी. हादसा 20 वर्षीय सब्राता निवासी पश्चिम बंगाल के साथ तब हुआ, जब वह अपने मामा अमित और छोटे मामा के बेटे सायंजल के साथ बाइक से जा रहा था. पिकअप नम्बर एमपी 09 एलआर 7561 के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी.

टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिर गए. सब्राता को सिर और अमित को नाक पर गंभीर चोटें आईं. पुलिस ने बताया कि अमित की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि सायंजल को मामूली चोटें आईं. पुलिस ने प्रकरण में केस दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है.

तेज रफ्तार स्कूटर की टक्कर से साइकिल सवार घायल

एमपी टूरिज्म कार्यालय के सामने एक स्कूटर सवार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी. इससे गिरकर वह घायल हो गया. पुलिस ने लापरवाह स्कूटर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. तिलकनगर थाना क्षेत्र में सुबह तेज गति से दौड़ रही स्कूटर ने एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी. पुलिस के अनुसार 57 वर्षीय महेश दास बैरागी, निवासी लालाराम नगर, अपनी साइकिल से जा रहे थे. इसी दौरान स्कूटर नंबर एमपी 09 एसयू 0269 के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी. हादसे में महेश दास सड़क पर गिर गए और उनके दाहिने कंधे तथा पसलियों में चोट आई. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बार मालिक सुसाइड केस : आरोपी महिला अफसर की जमानत अर्जी खारिज

- ब्लैकमेलिंग का आरोप, गवाहों पर प्रभाव डालने की आशंका भी हुई साबित

नव भारत न्यूज

इंदौर. बार मालिक भूपेंद्र रघुवंशी आत्महत्या प्रकरण में आरोपी राष्ट्रीय कंपनी की महिला अफसर इति तिवारी को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली. कोर्ट ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी. इसके बाद अब उसे जेल में ही रहना होगा.

अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र निवासी भूपेंद्र रघुवंशी ने 30 अगस्त को जहर खाकर जान दे दी थी. होटल और पब संचालक रघुवंशी ने पांच पेज के सुसाइड नोट में इति तिवारी को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था. परिवार का आरोप है कि इति, उसकी बहन शिवांगी और सहेली ने मिलकर उन्हें ब्लैकमेल किया और लाखों रुपए ऐंठे. पुलिस ने जांच में केवल इति को दोषी माना और उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया.

केस दर्ज होने के बाद इति ने वकील के जरिए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया था. सेशन कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने पर उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था.

हाईकोर्ट में रघुवंशी परिवार की ओर से एडवोकेट योगेशकुमार गुप्ता और अभिषेक रघुवंशी ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के बाहर आने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है. ड्राइवर के बयान में इति के साथ अन्य दो महिलाओं के नाम भी आए थे.

एक नजर में

समस्या निवारण समिति ने बताई समस्याएं

महू. विगत कुछ दिनों से महू छावनी परिषद क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जनता समस्या निवारण समिति द्वारा नगर में घूमकर लोगों से मिलकर समस्याएं जानी जा रही थी. इस दौरान जो समस्याएं सामने आईं, उनमें सफाई, जल वितरण, सड़क, स्ट्रीट लाइट की अपर्याप्तता आदि प्रमुख थी. समिति सदस्यों ने छावनी परिषद अधिशासी अधिकारी विकास कुमार से मिलकर समिति सदस्यों ने समिति द्वारा की गई नुक्कड़ बैठक के आधार पर छावनी परिषद के अधिकारियों से एक सार्थक चर्चा की. इस पर छावनी अधिशासी अधिकारी द्वारा विभागीय अधिकारियों को बुलाया और उनके सामने लाई गई समस्याओं पर मौका मुआयना कर उन्हें दूर करने के निर्देश दिए. उन्होंने समिति सदस्यों को आश्वासन दिया गया कि जनहित में छावनी परिषद द्वारा ध्यानाकर्षित कराई गई समस्याओं का शीघ्र ही समाधान किया जाएगा. इस दौरान अमित अग्रवाल, गोविंद शर्मा, अमित अशोक वर्मा, गोविंदा सिलावट, विकी मल्होत्रा, आमिर खान, मनमोहन कौशल सहित अन्य समिति सदस्य मौजूद थे.

घर का हिस्सा व ई-रिक्शा मांग रहे पति का हंगामा

इंदौर. लंबे समय से घरेलू तनाव झेल रही महिला के साथ पति ने फिर विवाद किया. घर का हिस्सा और ई-रिक्शा देने से इनकार करने पर पति ने देर रात गाली-गलौज और बुरी तरह मारपीट की. चंदननगर पुलिस ने आरोपी इमरान खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. चंदननगर पुलिस के अनुसार एक महिला की रिपोर्ट पर उसके पति के खिलाफ गाली-गलौज और मारपीट का मामला दर्ज किया है. गीता नगर, रानी पैलेस निवासी 35 वर्षीय अंजुम ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी को 17 वर्ष हो चुके हैं और तीन बच्चे हैं. उसका पति इमरान पिछले छह महीनों से लगातार विवाद करता है. छोटी-मोटी बात पर गाली-गलौज करता है और घर में हिस्सेदारी की मांग को लेकर दबाव बनाता है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि देर रात करीब 11.30 बजे इमरान घर पहुंचा और उससे ई-रिक्शा देने की मांग करने लगा. महिला ने रिक्शा अपना होने की बात कही, जिस पर आरोपी भड़क गया और अभद्र गालियां देने लगा. विरोध करने पर इमरान ने थप्पड़ मारकर उसके साथ मारपीट की. पुलिस ने इमरान खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

शहर में सुरक्षित माहौल के लिए पुलिस कमिश्नर ने कसी कमान

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

इंदौर. अपराध नियंत्रण से लेकर यातायात सुधार तक, पुलिस कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों से मैदानी निगरानी बढ़ाने, लापरवाह चालकों पर कठोर कार्रवाई जारी रखने और सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने पर जोर दिया.

शहर में लगातार बेहतर और प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली. यह बैठक 17 नवंबर को पुलिस आयुक्तालय स्थित सभागार में आयोजित की गई, जिसमें कानून व्यवस्था और अपराध शाखा के दोनों अति. पुलिस आयुक्त, सभी डीसीपी और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में पिछले महीनों की कार्रवाइयों की जोनवार समीक्षा की गई. इसमें गंभीर और माइनर अपराधों, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, थानों में विवेचना की स्थिति, सीसीटीएनएस मॉड्यूल के उपयोग, यातायात प्रबंधन और ड्रोन पेट्रोलिंग की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई.

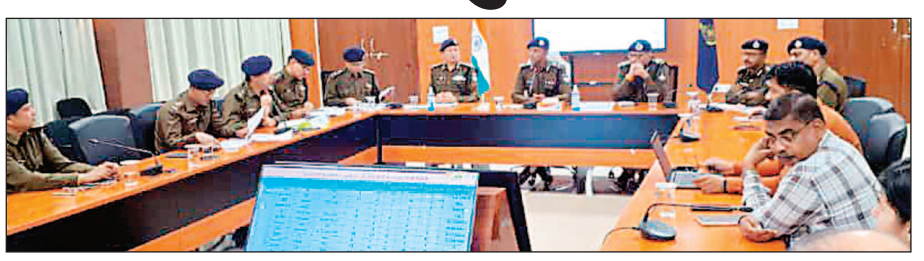

बैठक में पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड में मौजूदगी बढ़ाई जाए और हर स्तर पर कार्रवाई की गति तेज रखी जाए. सड़क हादसों में कमी लाने के लिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है. पिछले 15 दिनों में ऐसे 1 हजार 897 चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं. पुलिस कमिश्नर ने इस अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए. शहर में अपराधियों पर अंकुश के लिए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और बाउंड ओवर की प्रक्रिया को तेज करने पर भी जोर दिया गया. दुर्घटना संभावित स्थानों की मैपिंग व अन्य विभागों के साथ समन्वय हो-यातायात सुधार की दिशा में नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई के साथ ही जागरूकता बढ़ाने, दुर्घटना संभावित स्थानों की मैपिंग और जरूरत के अनुसार अन्य विभागों के साथ समन्वय करने को कहा गया.

सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए मोहल्ला समिति बैठकों को और विस्तारित करने, नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और उनकी समस्याओं तथा सुझावों पर प्राथमिकता से काम करने की आवश्यकता भी बैठक में रेखांकित की गई. पुलिस कमिश्नर का कहना है कि बेहतर कानून व्यवस्था तभी संभव है, जब फोर्स लगातार सक्रिय रहे और जनता के साथ समन्वय मजबूत हो.

बीट और माइक्रो बीट सिस्टम पर सतत निगरानी सुनिश्चित हो

उन्होंने निर्देश दिए कि थानों के बीट और माइक्रो बीट सिस्टम को पूरी तरह सक्रिय कर क्षेत्र में सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए. रात्रीकालीन चेकिंग में थाना प्रभारियों की अनिवार्य मौजूदगी के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए. अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन पेट्रोलिंग को और व्यापक करने, हॉट स्पॉट और शैडो एरिया में विशेष निगरानी बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए. इसके अलावा, सीसीटीएनएस आधारित ई-विवेचना, ई-साक्ष्य और ई-समंस वारंट की प्रक्रियाओं को और बेहतर करने पर भी जोर दिया.

फर्जी मेडिकल डिग्री पर लोन ठगी मामले में एक और आरोपी धराया

- भिंड में छिपा था फरार आरोपी, एक आरोपी पहले झांसी से हो चुका गिरफ्तार
- तीन सदस्यीय गिरोह पर बजाज फाइनेंस से लाखों की ठगी का है आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. फर्जी मेडिकल डिग्रियों के सहारे बजाज फाइनेंस से लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के दूसरे सदस्य को क्राइम ब्रांच ने भिंड से गिरफ्तार कर लिया. मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज है, जिनमें से एक आरोपी पहले ही झांसी से पकड़ा जा चुका है. इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस रिमांड लेकर अन्य साथियों की संलिप्तता खंगाली जा रही है.

एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीम लगातार सक्रिय है. बजाज फाइनेंस लिमिटेड की ओर से की गई शिकायत में बताया गया था कि तीन व्यक्तियों ने फर्जी मेडिकल डिग्री के दस्तावेज तैयार कर कंपनी से लाखों रुपए का लोन हासिल किया, शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने प्रकरण दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की. जांच के दौरान टीम ने सबसे पहले प्रदीप निरंजन को झांसी (उ.प्र.) से गिरफ्तार किया था. पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसे इंदौर लाने और बैंक खाते खुलवाने में प्रदीप सोनी ने मदद की थी. आरोपी की भूमिका सामने आने के बाद तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की सहायता से क्राइम ब्रांच ने प्रदीप सोनी को भिंड जिले से दबोच लिया. उसने पूछताछ में मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है.

असली डॉक्टरों के पिता का नाम बदल देते थे

एडीसीपी के अनुसार फर्जी डॉक्टर बनने वाले आरोपी हरीओम बंसल, भूपेंद्र सिंह और प्रदीप निरंजन ने असली डॉक्टरों के नाम का दुरुपयोग कर उनके पिता के नाम बदलकर दस्तावेज तैयार किए और इन दस्तावेजों के आधार पर लोन स्वीकृत कराया था, जिससे कंपनी को आर्थिक नुकसान हुआ. गिरफ्त में आए प्रदीप सोनी से यह भी सामने आया कि वह आरोपी भूपेंद्र का सहायक था और लोन फ्रॉड में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है. पुलिस अब आरोपी का रिमांड लेकर अन्य संभावित साथियों और फर्जी दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया की जांच कर रही है. संलिप्तता मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी. मामले में क्राईम ब्रांच आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

एशियन मास्टर्स चैम्पियनशिप में शहर की अधिकारी ने जीता मेडल

- चेन्नई में हुई इस प्रतियोगिता में 22 देशों के एथलीट हुए शामिल

नव भारत न्यूज

इंदौर. चेन्नई में हुई अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में इंदौर की महिला निरीक्षक ने दमदार प्रदर्शन कर लॉन्ग जम्प में कांस्य पदक जीता. इस उपलब्धि पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है.

तमिलनाडु के चेन्नई में 05 से 09 नवंबर तक आयोजित 23वीं मास्टर्स एथलेटिक एशियन चैम्पियनशिप में इंदौर पुलिस की महिला निरीक्षक राधा यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लॉन्ग जम्प एकल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में हुई इस प्रतियोगिता में 22 देशों के एथलीट शामिल हुए थे. मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए राधा यादव ने लॉन्ग जम्प के साथ 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ और ट्रिपल जम्प इवेंट्स में भी चुनौती पेश की. एशिया भर के एथलीटों के बीच हुए मुकाबले में उन्होंने लॉन्ग जम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल किया.

इंदौर ट्रैफिक पुलिस में पदस्थ है महिला इंस्पेक्टर

राधा यादव वर्तमान में इंदौर पुलिस यातायात में पदस्थ हैं. उनकी इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है. पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने न सिर्फ प्रदेश, बल्कि इंदौर पुलिस का भी गौरव बढ़ाया है. अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि वे आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और पुलिस संगठन का नाम रोशन करती रहेंगी.

एक नजर में घरों से संग्रहित कचरा निपटान के लिए बनाए गए प्लांट बने लोगों की मुसीबत

प्लांट से आने वाली दुर्गंध से आसपास के रहवासी परेशान, बच्चे हो रहे बीमार

इंदौर. शहर को स्वच्छ रखने के लिए घर-घर से कचरा संग्रह कर उसके निपटान के लिए जगह-जगह प्लांट लगाए गए हैं, लेकिन ये प्लांट आसपास के रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं. इन प्लांट्स से आने वाली बदबू आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रही है. इससे लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है.

शहर भर के सभी क्षेत्रों से कचरा संग्रह कर नष्ट करने के लिए पूर्व में ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया जाता था, जो शहर की सीमा पर पहले से ही मौजूद था. फिर नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कचरा निपटान के लिए छोटे-छोटे प्लांट लगा दिए गए. लेकिन इन प्लांट्स को लेकर शिकायतें मिल रही हैं कि रात में प्लांट से उठने वाली दुर्गंध से लोग परेशान हो रहे हैं. यह दुर्गंध उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल रही है. हाल ही में इसी तरह की एक शिकायत सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई जनसुनवाई में भी आई है. जनसुनवाई में अरविंदो अस्पताल के सामने स्थित कालिंदी गोल्ड सिटी के पास ग्राम पंचायत भांगिया के कई ग्रामीण शिकायती आवेदन देने आए थे.

इन ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में बताया कि ग्राम भांगियां में कचरा निपटान के लिए जो प्लांट लगाया गया है, वहां भांगिया, मारोली मगरखेड़ा एवं जाखिया आदि तीन-चार गांव का कचरा डंप किया जाता था. लेकिन वहां अब शहर के अन्य क्षेत्रों से अधिक मात्रा में कचरा लाकर डाला जाने लगा है. इतना ही नहीं, कचरा नष्ट करने के लिए उसे खुले में ही जलाया जाता है, इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है.

यह बोले रहवासी...

तीन गांव के अलावा शहर का कचरा जो यहां डंप किया जा रहा है, उससे वहां रसायन बन रहा है. इससे क्षेत्र के अधिकांश बच्चे बीमार पड़ रहे हैं तथा उससे उठने वाली दुर्गंध भी लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है.

- शुभम आठवले

कचरा नष्ट करने के प्लांट में घरों और आसपास की फैक्ट्रियों का कचरा जलाया जाता है, जिसके धुंए से वातावरण में ऑक्सीजन गैस की कमी हो जाती है. इससे घुटन होने लगती है. आठ दिन पहले कलेक्टर आए थे, तब उन्हें इस समस्या से अवगत कराया गया था, उन्होंने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है.

- विरेंद्र सिंह ठाकुर

प्लांट कर्मचारियों और निगम कर्मियों की मिलीभगत से बड़ी मात्रा में आस-पास का कचरा भी यहीं डाला जा रहा है, इससे होने वाली समस्याओं से लोग परेशान हैं. हमने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिया है कि यहां से प्लांट हटाया जाए. अधिकारियों ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है.

- जसपाल सिंह ठाकुर, उपसरपंच, ग्रम भांगिया